Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 1 | पुष्पी पादपों में लैंगिक जनन

QUIZ PART-01

1. **पुष्प किस वर्ग के पौधों का आकर्षक अंग होता है?**
   A. कवक
   B. आवृतबीजी (एन्जियोस्पर्म)
   C. शैवाल
   D. ब्रायोफाइट (B)

व्याख्या : पुष्प आवृतबीजियों का प्रमुख प्रजनन अंग है, जो यौन प्रजनन की प्रक्रिया में सहायक होता है।

2. **पुष्प का कौन-सा भाग नर जनन अंग कहलाता है?**
   A. स्त्रीकेसर
   B. पुंकेसर
   C. दलपुंज
   D. बाह्यदल (B)

व्याख्या : पुंकेसर पुष्प का नर जनन अंग होता है जिसमें तंतु और परागकोश सम्मिलित होते हैं।

3. **परागकोश में कितने कोष्ठ पाए जाते हैं?**
   A. एक B. दो
   C. तीन D. चार (B)

व्याख्या : प्रत्येक पुंकेसर के परागकोश की प्रत्येक पाली में दो कोष्ठ होते हैं।

4. **पुंकेसर का ऊपरी सिरा पुष्प के किस भाग से जुड़ा होता है?**
   A. दलपुंज
   B. पुष्पासन
   C. बाह्यदल
   D. वर्तिकाग्र (B)

व्याख्या : तंतु का शीर्ष भाग पुष्पासन से जुड़ा होता है जिससे पुंकेसर पुष्प में स्थिर रहता है।

5. **लघुबीजाण्डधानी की सबसे आंतरिक परत कौन-सी होती है?**
   A. बाह्यत्वचा
   B. एन्डोथेलियम
   C. मध्य परत
   D. टैपेटम (D)

व्याख्या : टैपेटम लघुबीजाण्डधानी की सबसे आंतरिक परत होती है जो परागकणों को पोषण प्रदान करती है।

6. **टैपेटम की कोशिकाओं का क्या लक्षण होता है?**
   A. कोशिकाएँ रिक्त होती हैं
   B. जीवद्रव्य से भरी होती हैं और बहुकेंद्रक होती हैं
   C. कोई केन्द्रक नहीं होता
   D. बाहरी आवरण नहीं होता (B)

व्याख्या : टैपेटम की कोशिकाएँ सघन जीवद्रव्य से भरी होती हैं और इनमें एक से अधिक केन्द्रक पाए जाते हैं।

7. **परागकोश की संरचना में कितनी भित्तियाँ होती हैं?**
   A. दो
   B. तीन
   C. चार
   D. पाँच (C)

व्याख्या : परागकोश चार भित्तियों से बना होता है – बाह्यत्वचा, एन्डोथेलियम, मध्य परत, और टैपेटम।

8. **परागकोश में बनने वाले चार कोनों पर क्या उपस्थित होता है?**
   A. बीजाणुजनक ऊतक
   B. भ्रूणकोष
   C. वर्तिका
   D. दलक (A)

व्याख्या : परागकोश के चारों कोनों पर लघुबीजाणुजनक ऊतक उपस्थित होता है जिससे परागकण विकसित होते हैं।

9. **पुष्प का लंबा और पतला डंठल जैसा भाग क्या कहलाता है?**
   A. वर्तिका
   B. तंतु
   C. दलपुंज
   D. बाह्यदल (B)

व्याख्या : पुंकेसर का लंबा पतला भाग तंतु कहलाता है, जो परागकोश को सहारा देता है।

10. **परागकोश में परिपक्व होने पर बनने वाला थैला क्या कहलाता है?**
    A. बीजाण्ड
    B. पराग पुटी (पोलन सैक)
    C. बीजाणु
    D. भ्रूण थैली (B)

व्याख्या : परिपक्व होने पर परागकोश की दीवारें खुलकर पराग पुटी बनाती हैं, जिसमें परागकण स्थित रहते हैं।